>

Title : Regarding law and order situation in Uttar Pradesh.

श्री राकेश सचान (फतेहपुर): महोदय, आपने मुझे बहुत विषय को सदन में उठाने का अवसर दिया है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप थोड़ा जल्दी-जल्दी बोलिए और जल्दी अपनी बात खत्म कीजिए, समय कम है। धन्यवाद वगैरह मत दीजिए, सीधे अपनी बात कहिए।

श्री राकेश सचान : महोदय, बीती रात 10 तारीख को मेरे निर्वाचन क्षेत्र उत्तर प्रदेश के फतेहपुर एक आरोपी को ढूंढ़ने के लिए पुलिस ग्राम चक गाजीपुर में, जो थाना गाजीपुर के अंतर्गत आता है, में गयी। जब आरोपी अपने घर में नहीं मिला, तो ... * जिसका घर बगल में है, किसी ने पुलिस को बता दिया कि आरोपी ... * उनके घर में है। पुलिस वालों ने रात में जब उनके घर की कुण्डी खटखटाई और दरवाजा नहीं खोला गया, तो उन लोगों ने घर की कुण्डी बाहर से बंद कर दी।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप किसी का नाम मत बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : नाम प्रोसीडिंग्स से डिलीट कर दीजिए।

श्री राकेश सचान : घर की कुण्डी बाहर से बंद करके छप्पर में आग लगा दी। इससे उनके पूरे घर में आग लग गयी, वह स्वयं खत्म हो गए, उनकी पत्नी अस्पताल में भर्ती हैं और उनका लड़का आज हैलट अस्पताल में भर्ती है। मैं कहना चाहता हूं कि आज उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था नाम की चीज नहीं रह गयी है और जिस तरीके से मृतक और मृतक की पत्नी घायल हैं, इसलिए मैं मांग करता हूं कि मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए और जो अधिकारी उसमें दोषी हैं - सीओ एवं क्षेत्रीय चौकी इंचार्ज के ऊपर मुकदमा कायम करके जेल भेजा जाए। संसदीय कार्यमंत्री जी यहां बैठे हैं, मैं मांग करता हूं कि इस पूरी घटना की सीबीसीआईडी जांच कराने की भी यहां पर घोषणा की जाए। ...(व्यवधान)

श्री नीरज शेखर (बलिया): महोदय, उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था बिल्कुल खत्म हो चुकी है।...(व्यवधान)

श्री राकेश सचान : महोदय, जिस तरीके से यह घटना हुई है...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कितने लोग एक साथ बोलेंगे? आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : किसी की बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी।

...(व्यवधान) *

उपाध्यक्ष महोदय : किसी की बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी।

कुमारी सरोज पाण्डेय ।

...(व्यवधान) *